

॥ सा गय सा नित्याय ॥ य क ना सु ॥

के नमः ॥ शुक्रा म॥ मधे मे दू नमः न वन इ व ॥ मा सु मा ले दु मे न के (डी) नमः
 त्व भवता मिर्मः नाध गृहं प्राप भाः ॐ नमः नि द्य साग सु च नि ढ मोंः पुत्र्य धु कू र दूमः जा ध मा ध
 व भाः रु न्दि र मू ना० कृ न न ह क्क ल म ॥ १ ॥ व ग दे व ता व नि ता वि नि ढ वि ल स द्या प भु व ढी व न न वा न
 न च कु व ता ॥ १ ॥ वा सु दे व न ता क्क नि क र था स मे तं भ ढ क भा ति रा य दे व क वि ॥ १ ॥ पु व धं ॥ यदि ह नि
 स म लं न्य स न स म नो ॥ १ ॥ त दि ला स क ता स कू ह लः म धु लं धू लं का म न का न्त प दा व नि ॥ १ ॥ न ग ता
 त य दे व स न स ताः वा व ॥ य त व य तू मा प ढी ध ल ॥ स द व स दौ गा लां ता नि ढ त य दे व न व स त न ॥ १ ॥
 ॥ १ ॥ धा इ ह इ ढ ॥ गी ता ल स प्र भ व र न त ने ना रा स ग व ध न ॥ स्य द्वा का प न वि सृ ती स
 दा ध न ॥ १ ॥ क वि कू मा प ढी ॥ १ ॥ प्र ह नि मा ना ग ॥ वं र ता य ॥ प्र स य पु मा धि त ले ॥ १ ॥

प्र न मः

[illegible]

पसमुखभोलिवर्तिनमनिर्मय॥ केणवधुगनधूपतिरूपरुमरुगदिसहरे॥ १॥ वहसिवपु
 खिविसदेवसनतनपाहूँ हनहतिह्रीतिमिरिगयमनाहूँ॥ केणवधुगहलधररूपरुमरुग
 दीसहने॥ २॥ निमसिमुखविधनहहसगितागंसदमहदयदगितिपसुधागि॥ केणवधुगवधुग
 नीनरुमरुगदीगहने॥ २॥ ह्रीं नु निवहनिधनेकनयसिकनवालधूमकेगुमिवकिमविकलाहूँ॥ ॥
 केणवधुगकहकीसनीनरुमरुगदीगहने॥ १०॥ गीरुयदेवकवेनिदमदिगमूदार्गुगुस
 खपंसुसपंसवसानी॥ केणवधुगपणीविधरुपतयरागदीगहने॥ ११॥ ॥ मेपू॥ पंधमनागे॥ रागि
 गाके॥

रस्यसिः प्रागन्यसायनम॥ ४॥ थुयुथिगितहमविंदप्रकानयाकाकुलाः सु
 धज्जुयदेसमने॥ ॥ सर्वत॥ ६॥ मितिमायवदि॥ ६॥ लाऊ॥ थुयुथिसिधिरु
 यरूया॥ ॥ गुरु॥ ॥ ॥

वलां नूधनं ऊगन्निवहनः त्रैलोक्यं नूधितुं नृपतिं दानयतव लिङ्गस्य न ऊ
 नूधयं कुरुते पीतस्य ऊयतः रुलं कयतः कालं न मातन न भूकान्मरुतयत द
 कुनिकुनेकुप्रयत्नस्य नमः ॥ १ ॥ गुरुं यामिच्छित्त्वं यमलाग्य ॥ षड्गुतिना ल्य ॥ ॥
 गानकमलाकृषमंदलधूनकं नुलकलिनललिनवनमालः ॥ ऊय रदवहलि ॥ ॥
 ॥ १ ॥ दिनमज्ञामं नुलम मुनरु वषं नुनमूनिऊनमानसं हंस ॥ २ ॥ कालियवृष
 धनगंजनजननीं ऊनः ॥ ऊदूकलनलिनदिनम ॥ ३ ॥ मधुसूदनलकविनासनः ग
 रुद्रासनः ॥ सुलकवकलिनियान ॥ ४ ॥ जमलकमलदललावनहवभावनगिरिवनह

॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

वन निधन ॥ ५ ॥ ऊन कसुता कृत हृषनः जित दूषनः समल समित दस कठ ॥ १ ॥ अ
क्रि नव ऊन धन सुन्दन धृत मन्दलः शम्भु वन्द्य को न ॥ २ ॥ शम्भु यदव कवलि दैव
लून मूदः मंगल मूजाल गित ॥ ६ ॥ वन २ ॥ पद्मा पथा धनैति पलिरु सग्नः काष्मी न
मृडित मूला मधुसूदन स्य वैकान्त्रागमिव रैरुदन हृषि दह दाम्य मृपूनय नृपल यत्र
प्रियं वः ॥ ॥ २ वसन्त वासनी कसूम सुकृमात्रे वय वै ह न मनी काका प्रवह विहित कृष्ण
नृमत्र न्नील मन्द कन्दर्य ऊन ऊनित विना कवन यावल द्वाधीना धासल समिद मवे सह
वलि ॥ ॥ वसन लाग्य पुनात्य ॥ ललित लव गल तापनि शीलन की मलमलय समा

राशि के

॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

ॐ मधु कननि कनै क नंस्त्रि का किल कं जिग कू ॐ कृती ॐ ॥ १ ॥ वि ह न ति ह वि वि
ह स न स वे स न्न नृ प ति यू व ति ज न न स म रि वि वि न हि ज न स म द न्ने ॥ ६ ॥
उ म द म द न म नान थ प थि क व धू ज न ज नि ग वि हा थ ॥ श्रु ति कृ त कृ सू म
स मू ह नि न कृ न व कृ ल क हा पे ॥ २ ॥ मृ ग द सो न रु न ह स व ग व द न व द ल
मा ल न मा ल ॥ यू व ज न द द म वि दा न न म न सि ज न ख नू वि कि गू क ग ल
॥ ३ ॥ म न न म ही प ति क न क द गु नू वि के न कृ सू म वि का ॥ मि लि त ति
लि मू ख पा ठ लि प ठ ल • कृ त स्म न नू ल वि ला ॥ ५ ॥ वि ग लि तं क्रु ता ज
ल

अगदवलाकनगत्रुलकपूलाकृणहसिः विनति नि कृ क न कृ क म
खा कृति केत कि दनु निग ॥ ७ ॥ माधविकाप विमल ल विनो नव मासिया
गि सु गक्षोः मू निमन साम पि भा हन का नि लि ता नू ॥ का नन वं धो ॥ ७ ॥ सु
नद ति मू क ल ग प नि न मू ली मू कू लि ता पू ल कि ता वू ॥ वृ न्दा वन वि पि ने
प नि स न प नि ग ता य मू ना अ ल पू ॥ १ ॥ ७ ॥ अ य दे व रु नि ता मि द मू द य गि
ह नि ब ल ल मू गि सा नः स न स व स न स म य व न व लू न म नू ग ता म द
न वि का र ॥ ८ ॥ ३ ॥ द न वि द लि ता म ह्री व र्क ल्य ना गः प्र क टि ता प ट वा र्क व र्क य

वैद्यनाथ

नकाननानि १०० हहि दहतिवे ते ४ केतकिगन्ध वंध ४ प्रसन्नदम वाल प्रात वङ्ग
वाह ४॥ उन्मी लमधू गंध लूख मधूष व्याधू रूपा कन कु उलो किल का कली
कलकले रूझी लु क लू ज ना ४ नीयने पथिके कथ कथ मयि ध्रु नाव धान अम
पाफ प्रा लसमासमा गमयसा ह्या सै नमी वासना ४॥ १ अने कना पिप नि र हसुन
मसु नमना हा विविला लस १ मया विमाना दू य द त म नु सो सखि सम असा
पूत नाहना धिका ॥ २ नाम कनि नागा ॥ दूषक गा ले ॥ वन्दन वर्जित निलकल व
नः पिता वसन वनमा ली के लिव लन्म नि कृ ल मणि ताग लु यू ग स्मी ता सली

॥१॥ हनिनिहमृग्वधुनिकनः विनासिनिविलसति कलिपत्र ॥ १॥ ध्यापीनवप्राध
रुहानरुनेनहनि यनिन ह्यसनागंलपवधुननूगमयति काविदूदकिगप
धूमजागं ॥३॥ कापिविनासविलोलविलोवनखिलनजनिगमनाजं ॥
यतिमृग्वधुनविनमवसदनवदनसभाजं ॥३॥ कापिकपालतलेमिलि
तालपिठं किमपि श्रुतिमूलैः वान् विवृमनिगमवतीदयिः तं पलकै नन
कैले ॥४॥ कलिकलाकूटकै नवकाविदूमयमूनाजलकलैः मशैरलवज्ज
लकैः गतिविचकर्वकनेनदकैले ॥५॥ कजतालालतनलवलमा

वलि कलि कल सन वं ॥ ना सन से सह नृपय ना ह नि ॥ अयू व ति ॥ प्र
स सं से ॥ ७३ ॥ ॥ श्री प्रणि का म पि वृ म्म गिका म पि के म पि न म ति वा मा ॥ ७४ ॥ ॥ श्री जय दे व रु गित मि द म्
स सि मा वा नृप ना म प ना म न् ग न्गु ति ना मा ॥ ७५ ॥ ॥ श्री जय दे व रु गित मि द म्
द य तिः के स व के लि ज ह सः वृ न्दा व न वि पि ने न वि ताः वि ताः ना गू स रु
नि य ज्ञा स्या ॥ ७६ ॥ ॥ १२ वि ७७ ॥ १३ म न् न ॥ १४ ने न ॥ १५ न य न्ना न न्द मि न्दी व न ॥ १६ ॥
लि ज्ञा म म ल को म ले नृप न य न्ना न न्द मि न्दी व न ॥ १७ ॥ ॥ १८ वः स वृ न्द वृ ज म् द न ॥ १९ ॥
॥ २० प्र ण ग मा लि जि ता ॥ २१ म न ॥ २२ स वि म् मू ली मा नि व म ॥ २३ मु ॥ २४ ह पि ॥

की ७ ति ॥ अर्धे त्पु न व गुरु न क व ल क्रे णा दि वे णा व ल पा ले य प्र व
ने च या नू स न ति णा ख गु णो ला नि ल ४ किं वि हि ग च न सा ल मे ति मू क
ला न्या ला क ह र्वा द याः दू मी ल नि क ह ४ क ह ति ति क्क ला ला ४ पि का ना गि न
ना सा ला म ह र्वा वि नु म ह ता मा ही न वा म र्वाः वा ह र्वा प ति त ह त मू त प्र मा थ य
ना थ या सा थू व द द न हं थ म य नि ति वा ह र्वा गि न मू ति वा जा द ह ट वृ थि तः स्मि त
म ना हा ती ४ या नू व ॥ ॥ ॐ नि ष्रा गि न ल व दि दे सा भा द दा भा द वा ना म प्र थ म र्ग
॥ १ ॥ दि ह त ति व न ता थ सा थ न प्र थ य ह र्वा वि ग लि न नि जी क्क र्वा दी अ वि स न ग

संज्ञा

ना न न क्रविदविलना कं ऊ गु ऊ म धुव न म भुनी म् व न सी ना यू वा च न ह स छि ॥ ॥
सिद् ना ग्यः प्र ना ल ॥ सं क्क न द य न स्र धा म धू न ध्व निः मु ष लि न धा द न वं स व लि न दृ गं कं
ल व कं न भो लि क पा त वि त्रा ल व न ॥ १ ॥ त्रा स ह नि मि रु न वि ला सं स्म त नि म ना म म कृ
न य लि हा सं ला स ॥ २ ॥ वं द्र क चा न् म यू न भि ख नु क म नु ल व ल यि न के ॥ पु रू न यू न द
न य नू न नू न डि न भ दू न म् दि स्र व ॥ २ ॥ ला य क द म् नि न म् व ति मु ष लू म् न ल म् नि न
ला हः व न्धू जी व स धू ना ध न य ल वः क लि न द न स्मि न ॥ ३ ॥ वि यूल यूल क ह ऊ य ह व
य ह व व ल यि न यू व नि स ह सं क न व न ल्म त सि म नि ग ह ह ष नः कि न न वि हि न्म मि ॥ ४ ॥ ऊ

द्विती
 लदपतलवलदिन्दूकः वंदननिलकनसलाटः पीनपथाधनपत्रिसुलसदनानिदयहु
 दयकपानं ॥ ५ ॥ मनिमयमकनमभाहनकुशुनगशुमूदात्रपिनवसनमनुगतमुनिम
 नुऊः सुतवनपलिवालं ॥ ७ ॥ विसदकूदम्यनलेमिलितकलिकलुषहयमयनः माम
 पिकिमपिनत्रकमनं ऊः दुसामनसात्रमयनं ॥ ८ ॥ अकूयदवहजितमनिसुदनः भा
 हनमधुलिपूलपः रुनिवनमस्यत्रमंपुतिस्मृतिपुत्रवतामनुलुपं ॥ ९ ॥ यदा ॥ १० ॥
 गनयतिगुग्ममंमामं उमादपिनं हतवहतिरपनिता वं दार्ष विमूकं गिदूनागं
 यूवतिषूवल्लुषू विहातिनिमाविनायनत्रपिमंनोवामं कामं कनाति कशमिनि

॥ ॐ नमो भगवते ॥ १ ॥ कला ले ॥ निरुता निरुता गच्छ गच्छानि निरुता सि निरुता वस
नं. वकिता विलोकिता सकलदिग्भवनानि. ननु स न स न ह म न ॥ १ ॥ सखि ह कं सिम
थ नमू पा न न म य म प्रा स ह म द न म नो न थ. हा विता या स विकार ॥ १ ॥ पृथ म समा
ग म लज्जिता प्रा पातः या दू हा ते न नू कू ली मू दू म धू न सिमा हा विता या. हि थिती
कृता ऊर्ध्व न दू कू ली ॥ २ ॥ किं हा लय स य न नि वं गिता या. विल मून सिम मे व
हा पानं. कृता पत्रि न मू हा रू म न याः पत्रिः न ल कृता धन पानं ॥ ३ ॥ मूल स निमी
लिता वन मा पृ ल. का व लि ललिता कथा ली. हा म ज ल स क ल क ले मा. व न म द

नमो पादो लो लं ॥ ४॥ काकि ल कल न व कूजित याजित, मनसि ज म कुविवा
नैः शु थ कूसू मा कू ल कू त ल या, न ष. लि खि ता द्य न कन ला री ॥ ५ ॥ व न
न न नि ता म ति नू पू न पा प. नि पू ति ता स न ता वि ता नैः मू ख ल वि ० र व न मे ल
स पा स केः व ग ह वू नि ० स ह नि य ति ता नू र्त्ता म य म धू र्त्ता न मू दि ता म न्नी
ज ॥ १॥ ॥ न नि सू ष स म य स सा ल स या द ल मू कू लि न न य न स ला जैः निः स ह नि प
ति न त नू ल न या म धू सू द न मू दि ता म ना जै ॥ १ ॥ ॥ अ ज य द व ह नि त नि द म ति
प म धू सि पू नि धू व न नि लैः सू ष मू कू नि त ला धि का याः क थि त वि न ना रू स लि रू स
॥ ४ ॥ ॥ ॥

हृत् सुप्रसू विलासर्वममनृ इन्द्र वली मृदु विवृत्ता सा हृद्ग न विमि न म ति स्व दा हृ
गं पुस्तु लं मामृदी अ विलं तस्मि त सुधाम धान नै का न न लभ विद्वत् सुन्द निग हा वृत्तं
पञ्च मिदु व्या मि व ॥ दू ला ला क स्ता कस्तु व क न व का लभ क क सि का वि क स ४ का सा या य व भा पि
या थ प नि नृ पि ज भ हृ दी व नी त न म नि या न म क ल य सु ति नृ ना नां स रि वि सि ख न नि य स्र व य नि
॥ ॥ ॐ नि श्री गी त लभ विं द नृ क्ष ष के स वा ना म दि ति य ॥ स ग्ग ॥ २ ॥ क सा नि न पि र्सा न
वा स ना व भृ व लं या धा मा धा य दू द यः त स्ता उ उ सु न्द वि ॥ ॐ त स्त त स्ता म नृ हृ य ना धि का
म न क्क वा म वृ त रि न्न मा न सः कृ ना पः स क रि न्द न न्दी नी त ना न क्क उ नि ष सा द ना थ व ॥ ॐ ॥ ॥

॥ १ ॥ व. श्री न. ऊय देव के नरु प्र वि दी पु न न नी किं दू विल स मु द स रु व ला दि नि न म न ॥ ६ ॥
ह दि वि स ल ना हा ला ना य ह ऊ ऊ म ना य क क व ल य द ल प्र नी क न सा ग न ल दू ति : म ल य
ऊ उ आ न द रु स प्रि या य दि ने . म यि पु ह न न रु न ला त्या न ग कू धा कि मू था व सि ॥ पा नो मा
कू नू यून अ य क म मू मा वा प मा ना य म कि जा नि कि न वि नू मू कि न ऊ ना द्या न न कि पा नू
वः त स्या नू व मू गि दू अ म न सि जः प्र से क न जा नू ग ॥ गी ऊ ऊ नि न म ना वि म ना ना
श पि सी धू ऊ न ॥ ऊ वा प नि दि न ४ क ना ऊ वि मि र ना नि मी नू म म्म व थ अ मा स्मा कू टि ल ४
क ना नू क व नी ला ना पि मा ना प्र म भा ह ता व द य व न नि न नू ती वि म्मा ध ना या ग वा नू स दू

रुसुनमनुलसुवकथंप्रागर्म्ममकीरुति॥नानिस्यर्म्मसुखानितवतवसासिग्धादृ२
ॐमविउमासुद्वकुम्भुसुसारहसवसुधस्यदीनिनावकिमाःसाविम्याधनमाधुतीतिविष
यासंग्यपियन्मानसंतस्यालग्नसमाधिहकवित्रहवाधिकथवलतश्रपलवधनूत्रपाङ्क
नत्रङ्गितानिवासाग्नधुवनपानितितिसुननःनम्यामनगजुयजगमदवनायाम
कुनिनिर्जितजगनि किमधितानि॥॥ॐतिश्रागितगमविदमृग्धमधूसुदनानामहति
यसु॥५॥३॥यमूनानिउवामितनिकुजमदमाह्मिर्ग्राहयुमरुत्साकुनसाधवलाधि
कसखी॥१॥कानद्रानाग्यप्रतात्र॥॥दिन्दतिवदनमिन्दुकिननमनूविन्दतिरव

गदनिर्जित

८

दमधीनः व्यालुनिलमभिः लः ननग न-उमिवः कलमगि मलमसमीनः ॥१॥
सावित्रह तावदीनामाधवमनसिजविगिरुमादिव हावनमातुमितीना ॥
॥५॥ अविबलनियगितामदनहा नादिवः रुवदवनायविगा लः सहय
ममिनिवर्मकभोगिसः जलनसिनीदलजाल ॥२॥ कृष्टमविगिरुसना
ल्यमनेल्यविलसकलाकमनीयः उतमिव तावयविनरु सुखा मकभोगिकु
समशयनीय ॥३॥ वहगिविलोलविलावनधनमाननकम लमदानः विधूमिवविकठ
विनुददकदलनगलितामाधारी ॥४॥ विलिखतिरहसिकुन ममदनरुवकमसम

[illegible]

सुविशालाक्षप्रस
आद्यपयप्रस

जिन मिय सायम ले लं ॥ ७ ॥ ह विवि^{ति} ह वि वि वि वि ज प ति स का म वि न ह वि
 हि ता म न ल व नि का म ॥ १० ॥ श्री उ म दे व रु नि ता मि ति गी त सु ख म गु के
 शु व प द मू प नी ती ॥ ११ ॥ स्म ना र्त्ता दे व न व द्य द्य ल द ग र्ग म मृ त मा न सा
 श्री कृ लू व न ना थ म प द व ज्ञा द पि दा नू ना सि कं द प ज्ञा न सं कृ त क ल न भा रा
 य म सा ग्धा री च त श्व दं पि दा नू ल सि ॥ कं द प र्थ कृ त कृ ल ग नो रा म म
 म सा ग्धि रं वे ता श्व दं न व द्य म ४ क म सि नी दि ना सु रं हा म्प ति कि नु
 का नि व से न जी त ल ग नं वा म व म कं पि यं य म्प नी न ह सि स्ति ता
 वि म क वा ध ४

नमो भगवते

कथं मयि कीं लीलां प्राप्तिं ॥ अहं मयि विह्वल हृदयः ४ यत्नान् सहेन
मननिमीलनखिन्नया यमा ^{यत्ना} नूतनं सविह्वलं हविदमग्रं कृते न ॥ ७ ॥
पूर्वं मग्नं समं खमानि यतेनासादिता ४ सिद्धयस्तु सन्नावनिकुजमन्म
थमहातीर्थयूनमोषव ४ ध्यायंस्तु मनिता जयत्रयिण वेवालापमन्ना
वलीः रुयस्वत्कुवकुम्भनिर्हयनावम्भुमृतावाकुति ॥ १ ॥ नटवत् ॥ ४ ॥
खजतिताले ॥ वतिसुखसावगा मरुति सावे मदनमन्ना हववे ४ नक्रवृनि
तमि विनिगमनविलम्बनमनू सवगा हृदये ४ ॥ १ ॥ धीवसमीक्ष्य मूना
० ॥ ४ ॥ सिविकथमसं नसालसारकी विवविनहे नविलो कपुष्पितप्र ॥ ० ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ति रे. व संति व ने व न मा ह्यी ॥ १५ ॥ नाम स मे गं कृता सं के ता वा द म गो म पु वे लू
व हू म नू गो ग नू गो ग नू सं गा य व न व लि त म पि वे लू ॥ १६ ॥ प ग ति ता ग्रे वि
य ल ति प ग्रे गं कि ता रु व दू य या न न द म ति ङा य नं स व कि ता न य नं
प ष्म ति ता व य लू नं ॥ १७ ॥ मू ख न म धी नं ए य ज म जी वं त्रि षू मि व के लि सु सा तं
व ल स रि व कूँ अं. स ति मि न यू अं. ङा ल य नी ल नि वो लं ॥ १८ ॥ उ व सि मू ना
वै नू य दि ता हा त्रे य न लू व गे ल व ला के. ता ति दि व पि वे त ति वि य नी
ते त्रा ज सि स्तू कृ ता वि या के ॥ १९ ॥ वि ग लि ता व स नं य दि हा न स नं द्य

स व न क न श ग सा ले

[illegible]

धूनागिगमं शु वरुंगगिगमवि नस्यमना वरुथन व सम प्राकगम ४ सादुगाना
कानाकन न सन न स द ५ दीर्घा म दस्य थ नात न्मृग्य वि ह ली वि ल म न सो न
म्राहि सान ज न ॥ १ ॥ बा द नू नू नू ना द नू न रवो नू रवा द नू स्वा का ज या
वा धा द नू स ह मा द नू नू ना न म्मा द नू पु ग या ४ ॥ नू नू नू ग ग मा नू मा नि
लि ग या ४ स ह वा व ल ज न नाः द नू त्या नि ह का न ग म सि वि ज वि मि ५
व स ४ ॥ स ह म य दि त वि न्म स्य नी ह ५ मि ति वे प थि पु ति ग नू म् ४ किं वा
म न्द य दानि वि ग न्च तं ॥ क थ म पि न ह ४ या य म जे व न म त न गि हि ४ स

मृशिवसूक्तगः य इमं नृसंख्यामूयैतिकृतार्थार्थं ॥ ॥ ॐ तिष्ठति गीतं गतं वि
 देसाकां अं पृष्ठं नीका अं पृष्ठं मः स गृहं ॥ ॥ त्रयं गां गन्तुं मं ज्ञाकां
 विनमनं नृकां लता गृहे दृष्ट्वा ताव विगां गतं विन्दे मनसि अमदे सखि
 प्राप्ता ॥ ॥ नाटनं ग॥ यु इमं तिदि हि दि हि न हंसि रुवने तापध्वनमधु
 नमधु निपि वने ॥ १ ॥ नाथ ह न सी दति बाध वास गृहे ॥ ५ ॥ त्वपहि स न
 न न ह स न व लनीः पतति प दानि कि मने व लनी ॥ २ ॥ विहिता विजय वि
 हा कि हा लय व लया जीवति प न मि हा व न ति क लया ॥ ३ ॥ मृदुता न व लो

किं न मनु न ली ला मधू विष् बहमिगि हाव न भी ला ॥ ५ ॥ ख वितामू यै गिन क
थम हि सा न ह वि वि गि व द गि सखी म नू वा वी ॥ ७ ॥ छि ब्रु गि दू म गि ज ल ध व क
लः ह वि दू यु ग ग ० ० गि गि मि व म न ल ॥ ६ ॥ रु व गि वि ल मि नि वि गलि ग ल ७
विलपति बोदि गि वा स क स ७ ॥ १ ॥ ७ ॥ ज य द व क वे वि द मू दि ता नू सि क ज न
ग नू ता म नि मू दि ता ॥ ८ ॥ १२ ॥ विष् ल वू क या लि ० स्त्री त सी ला व म क ० ज नि ग ज
उ म का कू वा कू लं वा ह व नी ॥ ता व कि ता व वि ध ले म द प्य वि नाः स्म व ज ल नि
वि म ग्नाः ध्वा न ल ग्ना मू ग ग ७ ॥ १३ ॥ ध्वा ह न ल क ला गि व ह ७ ॥ १४ ॥ य उ वि स

वा विनिः प्रार्थनार्थं पत्रिभ्यः कृते विना नूते जगत्प्राविर्धायति ॥००॥ एषा कल्प
विकल्पागल्पवचनासंकल्पलीला जगत्प्रागं क्वापि विना त्वया वचना नू
नैव्यानिष्पन्नं व्याति ॥ ॥००॥ तिष्ठति गगनगमविंदे वासुकसंज्ञावर्तुना
नामधसू ४ स गुरु ४ ॥ ३ ॥ त्रुणकं वदकृत्तकृत्तवत्सपातसंज्ञातृपा
तकं वदकृत्तलाकृत्तनं ४ ॥ वदपावनेन कं वदमदिपयदं गं दीयैदिक्
देवी वदनेन वदनेन विंदे ४ ॥ प्रसवति गगनधनविभूतिविहितविलम्ब
वमाधवे विधूना विवदिति विविधविलापसापवितामये काशवे ४ ॥ ॥

वे ला व ली नाग ॥ लघू ॥ ॥ ॥ ॥ कथितसुमयविहविचहहनाययोवर्न
 ममविरुल्लसतदनूपमपि योवर्न ॥ १ ॥ यामिहकमिहगचर्षीसखिजनवचन
 वैचिता ॥ ५ ॥ यदनुगमनायनिशिगहनमपिशिलिर्नैतनममहदयमिदम
 शमशयकीलीतं ॥ २ ॥ मममचममववचमतिवितथकेतना किमिहविष
 हामिविचहामलदयवर्तना ॥ ३ ॥ अहहकलयामिवलयादिमनिरुषर्षी
 रुचिविचहदहनवहननवक्रदूषर्षी ॥ ४ ॥ मामिहविधूययतिमधूयमधूया
 मिनी कापिहविमनूतवतिरुतसुकुतकामिनी ॥ ५ ॥ कूसमकूसमाचतन

मननूषाचलीलयाश्रयविद्वदिहनिमामपिविषमशालया॥६॥अहमि
हनिवसामिविलितवनवतसास्मपतिमधुसूदननामामपिनचतसा
॥१॥हविचचठाशचठाजयदेवकविराचतिवसुतुद्धदियुवतिविवक
मलकलावति॥७॥१३॥तर्लिकासपिकामिनीमरिहृत४किंवाकला
कलिबद्धावधुतिचधकापिनिवनायान्किसूत्राम्यति।कान्४कान्मना
गपियथिप्रकाशुमेवाकम४१॥कृतीकृतमेश्वरललनाकृशपियन्नाग
त४॥अथगतीमाधवमनचठासुखीमिर्यवीश्वविषामूकाविशीकमाना

नमिर्न कयापि जनार्दन द्रष्टुं वदेत दाह ॥ ॥ ऐं पा ली ना ८ ॥ खड्गं ति ना ला
 ॥ स्मर स्मर चा चित विच चित के षभ गलित कू सु मर ए च विल लित के षभ ॥
 ॥ १ ॥ कापि स धू रि पू ना विल सति यू व ति च धि क उ षभ ॥ ५ ॥ ह वि प वि च
 मृ षा व लि त वि का चा कू च क ल षभ प चि त ज लि त हा ना ॥ २ ॥ वि क च ज
 ले ष ल लि ता न न च न्द्रा त्व द ध र न ह स क त न न्द्रा ॥ ३ ॥ च क ल कू शु ल
 ल लि त के पा ला म्र ख चि त ज य न ग ति ला ला ॥ ४ ॥ द यि त वि ला कि त ल रि
 त ह सि ता व दू वि ध कू डि त च ति न स च सि ता ॥ ५ ॥ वि पू ल पू ल क पृ थू

वेपथूरुहसितनिमिलितविकसदनरुह॥६॥प्रमदलकनरुजस
 रुजगजीवापविपतितावसिपतिवद्यथावा॥१॥प्रमदयदवरुहि
 तहपिपतिर्तकलिकलुषजनयनुपविहसिर्त॥६॥१४॥विजहपाघु
 म्नापिस्वस्वाम्नायुतिपर्यतिपयन्नपिवदनी॥विधुवतीवतनातिमना
 उववसुदयमदनयथा॥॥कामोदका॥१॥कनारुह॥समदिनमद
 नममनियवदनचूचनललिताध्वविलखतिगिलकंप्रविजसद
 लकंमृगपिवज्जनिकर्ज॥१॥ममनयमृनापूलिनवनविजय
 मृनापिपधुना॥॥धनवयप्रविजवयतिचिक्रयतवलिततज

लाननं कृत्स्नं कृत्स्नं च पलासं सप्त त्रिपतिमृगं काननं ॥ २ ॥ दृढ
 यतिशयनं कृत्स्नं गगनं मृगं मदप्रचिच्छिन्नं मद्यिस्त्रयसमलं ता
 चकपठलं नखपदगं गिरुषितं ॥ ३ ॥ श्रितविष्णुसकलं मृदुयुग्मय
 गलं कचतलं तल्लिनीदलं मज्जकतवत्सयं मधुकचनिचयं वित
 त्रतिहिमं गतलं ॥ ४ ॥ यतिगुरुशयनं विपुलापयनं मनसि शक
 कासनं मन्त्रिमयपसनं गोचरं हसनं विविक्तं कृतवासनं ॥ ५ ॥ वृत्र
 नाकिं गलये कमला नि लये नखमग्निं गता प्रजिता वहि नय व नदी यावक रुच
 रं जमनि हृदि गता ॥ ६ ॥ वसन्ति सुदृग्ं कामयिस्तु दृग्ं खलुह लव सादवः

[illegible]

त्वं वं पुनर्वत्स तं वत्सात् कू वल्य इ श्रं वामः कामात्रिका मनित्र कू श्रः
 वाक्ष विध हि मलयामिल पदे वा ना प्राप्नोत गृहाण न गृहं पुनराश्रमि
 ष्य किं तं कृतां कुरु गिनित्र मया तं नृगोश्रानिषिक् मम साम्ना गुद हदा ह ॥१॥
 श्रुति श्रुति गीता राम विदे विप्रलब्धा वलुनेना गत्र वगुत्रा ना ना प्राप्नोत नाम
 सफ मः स गुरु ॥४॥ तथ कथमपि माममी विनी मस्म न श्रव श्रुतिना पिसा
 प्रला ते श्रु नूनम वचनं वद क मगु पु लाम पिप्रिम मा तसात्य सूय ॥ ॥ हेतव
 गाग ॥ पविमान ॥ नञ नित्र निग गुरु ना गत्र नाग कथा मिग मत्र सति वं श्रः
 व हगि वमन मनु नाग मि व हू ट मूदिग न साहि वि वं श्र ॥१॥ या हि माधव

माहि के सव माव द के ता व वाद. ता मनू सनसि नू ह लावन न या ता व ह न गि वि षा द।
॥ ५॥ कजु लमलि न वि लावन नू न विन विग नीलि म नू प. द स न व स नू म नू
ह ता व हू कू ग ना ति ता भान नू नू प ॥ १॥ व पू न नू ह न ता ता व स नू स नू न र व न र व न
ऊ ता न र व. म न का स क ल क लि ता क ल (५) ग लि य रि व न ता ग म न र व ॥ ३॥ व न
न क म ल ग ल द ल कू मि द ता व दू द म म द नू. द गी य ता व व हि मी द न दू म न व व कि
ग ल म य रि व न ॥ ४॥ द गी न य द रू व द ध न गी म म ज न य ता व ता सि र व द
क थ य ता क थ म धू ना यि म या स हा ता व व पू ता द रू द ॥ ५॥ व हि न यि म लि न ता
न ता व हू कू म ना यि ल वि ति नू न. क थ म थ व कू य स ज न म नू ग ता म स म ग

[illegible]

॥ मन्वावसखी ॥ च ना शुभा ॥ खत्रिगिता ॥ हनिन हिसनति वहति मधू
यवनः किमपनमधि कसुखं सरित् सुवने ॥ १ ॥ माधवे मा कुरु मानिनिमान
ममे ॥ २ ॥ ॥ गल सुलादपि गुरुमति सनसं किं विह्वली कुरुषु कुरु कलसं ॥ २ ॥
कतिन कथिता मिदमनूपदमविन मापत्रिहल हनिमति गमनविन ॥ ३ ॥ कि
मिति विषी दसिना दषिवि कलाः विहसति पूर्वति सताता वसकला ॥ ४ ॥ स
त्रलनलिनदल गालिता गमनः हनिमव लाकयसह लयनयने ॥ ५ ॥ जन
यसिमनसि किमिति गुरुखद गुरु ममववनम नीतिगल द ॥ ६ ॥ हनिन
ययागुवदतिवह मधूनः किमिति कनाधि हदयमिति मधून ॥ ७ ॥ गुरुय

५ वेरु निगम तिल लि ताः सुखं तु न सि क उ न त वि व वि त ॥ ८ ॥ १ ८ ॥ ॥ सि ल्य
म त्य न षा सि य त्य ण म ति कू द्वा गि नि ॥ ६ ॥ व स्तु यि य दू न्मू ख वि मू ख गा या
ता सि ता स्मि न पि मे ॥ १ ॥ अ कू वि य मि त का वि नि ता व णा खं लु च द्वा वि ष गी ता
तु क्त य ना ति म द्वा व ह ४ की उ मू दा या ता ना ४ ॥ ॥ ॥ गि णा गा ता वि न्द
क ल हा न क ति ता व लु ना ना म न व म ४ स र्ग ४ ॥ ॥ गान क न म गृ ण ना व न
सा म सि द नि ग्वा स मि ४ स ह मू र्वा मू म र्वा थे ल्य ॥ स वी उ मा डि ता स र्की
व द न प्र दा धि सा न न्द ग दू य य द ह ति वि ह्य वा व ॥ ॥ व ना स्त्री ना ग ॥ ल द्य ॥
ख न गा ल ॥ व द सि य दि कि वि द पि द न रे वि को मू दा त न ति द न ति मि न म ति धा

ननु नदधुन सीधव तावद न व नु मा भव मति लावन व कार्त्त ॥१॥ प्रियवान्
 ॥१॥ ले मूख मयि मान मरति वानं, सयुदि म प नान ला द हति म म मान स दे
 ति मूख कम ल म धू पा नं ॥ २ ॥ सु स ह्य मे वासि यदि सु द ति म यिका पि नी, द ति ख
 न न ख न ग न घा त, घा त म ह ज म व ध न न न म न द ख लु न न न वा ह व ति
 सु ख ज्ञा त ॥ ३ ॥ ल म सि म म जी व नं ल म सि म म रु म न, ल म सि म म रु व ज ल
 धि न ल म रु व गु रु व गु रु म यि स ता म नू भ धि नी त म म ह द म मि ति म ल
 ॥ ३ ॥ नी ल न लि ना रु म यि त न्वि त व ला व नं धा न म ति का क न द नू य क
 स म न न वा न रु व न दि न ऊ म सि हू म मि द म त द नू नू य ॥ ४ ॥ रु न

१ अत्रि मप्रिदा नमः सदन कदना नमः

न । हल शा दूया हिता वि का न ॥

उकू व कू मू यानू पवि मलि मं अनी । लं यतु ता व ह द य दे गं न सतु न सनाधि
त व धनः अ धन म ह लु धा य म तु म म म थ नि वे गं ॥ ५ ॥ ल क म ल ग
अ न म म ह द य न अ नं अ नित न ति म य न हा गः ल म म ग ॥ ६ ॥ वालि क न
वा लिय दं यं क अ स न स न स द ल क क ना गं ॥ ७ ॥ स्म न मान ल ख गु न
म म गि न सि म द नं द हि य द य व म द नं ॥ ८ ॥ ति व दू ल वा द
य दू व नू म न वं नि ल म ना धि का म वा व न जा तं अ य ति य द्वा ती व न म ल
अ ये दे व क वि हा न ति रु लि ता मि ति गा तं ॥ ९ ॥ ॥ य त्रि ह न कृ न
ग १ क ली की ल स त ती य न सु त अ ध न त या को न् स्या न् य चा न व का हि नी । वि

सति वित्तमानन्या न कोपि ममान्न च सुनरुचि पचि न भूवि ॥ धृष्टि वि ॥ धय
नी ॥ मृत्पवि ॥ धृष्टि मयि निर्दय न दं ॥ दीर्घा दृष्टिर्वंधनि वि ॥ सुनयी ॥ उ नानि । च
शुल्ल भव मृद म ॥ न प ॥ वान च शुल्ल का शुदल नाद स व ॥ ४ प्रयानु ॥
यथ यति ॥ ५ ॥ मोन तन्नि प्रपंच य पंच मं ॥ त र मि म धूना ला पे स्ता प वि ना
द य दृष्टि ॥ ४ ॥ सुमुखि वि सुखी ला व ता दि म ॥ न म ॥ सुमा सुय म ति ॥ य मि
॥ ५ ॥ मृत्प क क वि ॥ ५ ॥ प्रिया य मृप लि त ॥ ४ ॥ वं ५ ॥ क यु ति वी ॥ ध वा य म ५ ॥
४ ॥ ५ ॥ म ५ ॥ क क वि ॥ ५ ॥ ५ ॥ शुच शुच का सि नी ल न लि न ॥ भा व नं ला व
नी । ना ॥ नै ति ति ल प्र सु न प द वी कू न्दा रु द नि प्रिय प्रा य त्म सु ख व या :

विज्ञय न विज्ञेयं स प्रथा प्रथम ॥ ६८ ॥ भेद व स द ल स व द न मि न्दु ल रे वी प न न्ग ति क्त
 न म ना न मा वि त्रि त न म्म म्म रू द य न ति लु व क । ला व ती प्र चि र वि त्रु ल रे व रू वा
 व हा वि वि ध यो व न व ह सि त नि प थि ग ता ॥ ॥ ॐ ति ग्गि ग्गि त ॥ ६९ ॥ वि न्द मा
 नि ना व र्ध न च त्रु न च तु र्जु श ह नि न्नी य को ना म द ग म ४ स ज्ञे ३ ॥ ॥ ॥
 सु चि त्र म न्न न य न प्री न मी त्वा न्म ग्म की ग त व ति क्त त व ॥ ७० ॥ क ७ ॥ क ७ ॥ र्ग ७ ॥ र्ग ७ ॥
 र चि त्र रू चि त्र रू षी द वि भा प्र दा ष सु न ति नि च व सा दी का यि ना ५ ॥ ७१ ॥
 ५ ॥ ॥ ७२ ॥ पि वे न्न रू वा ॥ ७३ ॥ प न ता ल ॥ वि र चि ते दु व च न न च र्ग न च न ॥ ७४ ॥
 च चि त्र पु नि पा तं संप्र ति मी श ल वी श लं सी म नि क लि ण य न म न्न ज्ञा ती ॥ १ ॥

मृ० ८५ म धूम धन म नृ ग न म नृ स व ज वि क ॥ ५ ॥ घ न ज घ न ल व हा व र व द
व म ल व व व हा वि हा र्ज म र व चि न म मि मी डी ज मू ये हि वि ॥ ६ ॥ हि म यान वि
कार ॥ २ ॥ ७७ हू न म गी य त र्ज त प्र हा ज न मो रु न म धू य वि कार कृ स म ग
वा स न व न्दि नि पि क नि प र श हा र्ज ॥ ३ ॥ अ निल त व ल कि ग ल य नि क व म
ल ना कृ प्र म्भ प्र व श मि व क व हा प्र क ज नि ग ति प्र ति म्भ विल न्दी ॥ ४ ॥ स
वि त म न रू त व रू व ग म दि व रू चि त ह पि य पि य म्भ पृ कृ म नो ह व हा व वि म
ल म ल ॥ ५ ॥ व म म कृ व र्क म्भ ॥ ६ ॥ अ धि ग न म रि व ल स र्वी रि चि दी त व व पू न

पिनतिवडासुर्कुवशिउसितवसितवसनाववतिहिममहिसवसवसमल
कुं॥५॥सुवशवसुहगनरवनसुखीमवलंयकवडासलीलंवलवललयक
निनेवववाययहविमपिनिजगतिभाली॥१॥शत्रयदवरुशिरुमधवीक
तहाचमदासितवामंरुपिविविहितमनसासधितिष्टुककृतादीमविरा
मी॥६॥२०॥॥सामांद्रुतिवदुतिस्मवकधंप्रत्यहमाहुनेःप्रीतिंयास्य
तिर्वह्यतेहरिहसमागएतिविकाकूलः॥सर्वावस्यतिवपनपूलकयः
एानन्दतिस्विद्यतिप्रत्यहकृतिमकृतिस्वितमःपूः॥निर्वैरुप्रियः॥
अक्रीनिक्रिपदीकृतेश्वरयासायिकुउवावलीमृद्धिभामसजाडास

कचयाः कलुषिकायवर्क। धर्तुनामरिहावसुत्ववद्वदी विष्वद्विर्कं कसखि
धर्तनीलनिवालावसुद्वर्गप्रत्यक्षमालिङ्गति॥ काष्ठीयवर्गमेववपूषा
मरिहाविकाष्ठीमानद्वयवमरिहावविमञ्जरीरिः। नतलुमालदलनी
लतमैतमिष्टं तन्महमनिकषाषलताकनाति॥ ॥ हावावलीतवल
काश्चनकाश्चिदाममञ्जरीवर्ककनमद्योतिदीपितह्य। वावनिर्कं कनि
लपस्यहर्विनिवीक्ष्युगीजवनीमथसखिमियमपूवाव॥ ॥ मावजा
॥ लघुवर्गवर्गाले॥ मञ्जरीवर्ककलिहदनप्रविहवावर्गमावव
समीयेमिहविषसुवतिवहसहसितवदन॥ ॥ ५॥ नववदवदवमकद

ता

लभयनसाय प्रविशना ॥ ५ ॥ साधवसमिपमिह विलसकचकलशतवलहा
ये ॥ २ ॥ कसुमचयनचित ॥ ३ ॥ चिकास ॥ ४ ॥ साधवसमिपमी
हविलसकसुमकसुमायदह ॥ ३ ॥ बलमलयवनपवनसुत्रिजाने प्रवि
शना ॥ ५ ॥ साधवसमिपमिह विलसवलितह लिजाने ॥ ४ ॥ विततवद
वल्लिनवपल्लवसुद्यन प्रविशना ॥ ५ ॥ साधवसमिपमिह विलसवीनमल
सपीनशुद्धन ॥ ५ ॥ मधुमदितमधुपकलललितवार्क प्रविशना ॥ ५ ॥ सा
धवसमिपमिह विलसमदनशायनरुसहावे ॥ ५ ॥ मधुतजलापिकनिकन
निनदसुखय युविशना ॥ ५ ॥ साधवसमिपमिह विलसदननचुचिपूवि
वशिखय ॥ १ ॥ विहितपद्मावतीसुखसमाशु कुरु मजानमकुलशानि

रुद्रातिशयदवकविनाडनाड ॥८॥२१॥ ॥ लाविहून विववहन यमनिश्रा
 नाह ॥ नापित कन्दर्थ नग्न मिश्रुति सुधासम्याधविम्याधर्न ॥ सुभा न कदल्युन के
 नमिहृष्ट ॥ लललीलवक्रा न व स ॥ कामस विनय ना का अकृता ॥ संकुमा ॥ ॥ ॥
 साससाधुससानन्द ॥ ॥ विन्द लालला वना नली जानम शम शीन पुवि व
 निवेन ॥ ॥ माहवना ॥ वाखताले ॥ नाधा वदन विलोकन विकसितविवि
 धविकारविशुभ ॥ जलनिधि मि वविधुम ल लदल नतनलितानलान
 म ॥ १ ॥ हविभेकन सविनमहिलखित विलास सादद शिगूनूतवव
 म्मदवदनमने विकार्य ॥ ५ ॥ हानममलननतानमूनसिदधतयमिल

यवि दू नः सु द त न रुं ल क द म क न मि त मि व य स न अ ल न र प ॥ ३ ॥ ५ ॥
म ल म द ल क ल व न म गु ल म धि ग त (गे न दू क ल न ल न लि न मि
व पि त व न अ ल व प त ल रु व व ल यि ग मू ल ॥ ३ ॥ त न ल द ग र ल व ल न म
नो रु न व द न अ नि त न गि ना ग सु द क म लो द न रे व लि त र व नू न यू ग मि
व श न दि त लो ग ॥ ४ ॥ व द न क म ल प नि शी ल न मि लि त मि ति स म
क रु ल (५ ॥ ५ ॥ सि ग नू वि न स मू ल सि ग ध न प ल व रु त न गि लो र ॥ ३ ॥
श शि कि न रा वू नि त द न अ ल ध न सु द न कू ल म स क रू गि मि नो दि त

विधू निर्मल मगुल मलय त्रिल कनिवे ॥६॥ विप्लव प्लवक दनुद
नु निगं नितिक लिला रिधी नमदि ग हा किन दास म हस मू कल रुष दा
रुह ग ५१ नीने ॥१०॥ श्रीत्रय दे वरु दिा तमति ५१४ हुन विरु ववि रुष दा
हान प्रदा मात हृदि सु विनी विनिधा महर्त्तिसूक्त ता दम सार्न ॥२०॥ १२॥ ॥

श्रुति क्रम्यायाः ३० ॥ वहायथ पर्यन्त गमन प्रमासने वा क्रौं सन लगान
 हा वम्य गित्तयोः ४ ॥ निं नाध्याः ४ ॥ यि यामसमा लोक समथि पया
 तैसां समूह सन ०० हर्षा ५५ निक व ४ ॥ इन्द्रा सल्ला लं कृता कय टक क
 तिपि हितमि ति या (ग हा व हिन व हिताली पति ५५ ॥ यि या स्रं प ५५ ॥

४ स्यनग्नन वं ५॥ कू गसू ह ग. सल कुल कुल यि प्र ग मदि वदून मु ग
 दृ ५॥ ४॥ ॐ ति ५॥ गी ॥ ५॥ विन्दे तानन्द ५॥ विन्दे मे का ५ ५॥ ४॥ स गर्ज ॥
 ॥ गत वति सखी वन्दे मन्दु पा रु न. सनयन व ५॥ कू गसू ५॥ ५॥ स ग स्रयि
 ता धर्म. सन स मल संह सू म इ नै व प ल व प्र सन ५॥ य न विठ्ठि का
 ५॥ मू वा बह त्रिपि यी ॥ ॥ विसना ५॥ नू प क ल ॥ ५॥ कि ५॥ ल य ५॥
 य न ग ल कू नू का मि निवन. ग न लिन विनि वे ५॥ त व य द य ल व
 दे नि य ना ल व मि प म नू रु व गु सू वे ५॥ ॥ १॥ ॥ ५॥ ५॥ क ह म धू ना ना ना य ह
 म नू ग म नू सन ना धि के ॥ ५॥ ५॥ क न क म ल न क श मि व न ह म ह मा ग

निगासिविदुर्न ऊं ह मू प क र स य ना व नि मा मि व नू मू न म नू ग ग ऊं न
॥३॥ व द न सू धा नि धि ग लि ग म मू ग मि व न र न य व र न म नू क ल वि
र ह मि वा पे न या मि य था व ना ध न ना ध क म न सि दू क ल ॥४॥ प्रि म प नि
न मू द न र ह स व लि ग मि व पू ल कि ग म गि दू न वा प म दू न सि कू च क ल
५५ वि नि वे ५५ म ५५ व म म न सि दू ग प ॥५॥ नू ध न सू धा न स मू
प न य हा वि नि जी व म मू ग मि व दा र्क त्व मि कि नि ति ग म नू स वि तान
न ले द ग मू व यू ष म वि ला स ॥६॥ ५५ जि मू खि मू ष न य म नि व स ना मू न
म नू ग ग क ल नि ना द ५५ गि य ग म पि क रू न वि क म म म न ५५ म य वि ना द व सा द

॥ ४ ॥ मामनि विदुः लूत्रा विकलि कृतमवस्था किं नूयदं मासि न लङ्कितमिव
नयन नव विसृज्य निश्चय ॥ १ ॥ श्री जय देव हृदि नमिदं मनूयदं निगदितमधु
विष्मादं जनयन् वसिकं जन्म सुमन्नाहं यत्र निवसु सत्ताव विना दं ॥ ४ ॥ २३ ॥
प्रत्यहः प्रत्यहं कुरु न निविश्यान् विनिमेषं नव को जय न विलाकि न धनसुधया
न कथानमहि नानदानुगमे नममधक नायू द्वपियस्मिन्नहः दूषणः स न यो व्रत
वसुन नावहः प्रियलवकः पो ह्यासं यमिनः यथा धनं ह स म पि विनः पाणि जे ना विधा
दन्मने जता धन पुनः नो न न नाहन ह कि नान निगः क व ध व सुधा स्य दन संभा
हि नः कातः वि काम पिरुफी मा पन द ह का म स्य वा मा गति प्रावध व नि के लि संक

लन गानं ह तमासा ह संः प्रायः का न जया य किं विदुयत्रि नहि य
सं उ माता नि स्य न्या जघन स्क ला सि थिल ता दो बलि नृ क मि ताः
व ओ मा लि ता म कि भो नृष न स ४। स्त्री हा क थ सि यु ता ॥ त स्या ४
या ट ल वा हि जा जि ता मू न नि डा क वा थ ६ (५) मिः ५०. नि ता धन (५)
हि मा वि ल लि ता मु स्त मु ज मू र्ध ता ४। का श दा म दन ५० थो क ल मि मि
धा ता नि रवा ते ६ (५) न लि ४ का म ५० न स्त ५ ५० त म हा य लू म्म न ८ की
लि ता ४। म ल ६ ६ मि ल ल्क पा ल पु ल के सि ल्का न ना धा व ५०. ५ ५ क क
ल के लि का वि क ५ ६ न ५० (५) ता धन १। ५० सा ल च य या ५ ५ ना प नि

संस्कृत-
श्रीमद्भगवद्गीता

यत्रिस्वशुक्ल न इति दृष्टं तर्थात्क वरि प्रक निःसृता नार्थन्या
धमत्यानेन ॥ १ ॥ अथ कार्त्त न गि कान मपि म ह्य न वाधु यानिद्रुगम
द निरावाधा नाधस्वाधीन रू की ॥ ॥ सा न इति ना ॥ ॥ के ह नागा ली ॥
क रं ज दन दन व न न गि गि न ना न क न क य था धनेः मृग म द प
क मं प्र म नी रु व म इ ल क ले इ स हा द ने ॥ १ ॥ नि ज ग म व सा ज दू न द ने
की उ ति ह द मा न द ने ॥ २ ॥ ॥ अलि काल ग र न स इ न र्क व ति ना य क मा
य न ल द ध न वृ म्म न ल वि न क क ल म् आ ल य प्रिय सा र म ॥ २ ॥ न य न कू न ग वि क
स निः सा स क ल श्रु ति मं भु यः म न सि ज पा हा वि ला स भु व श्रु क वं भ य कृ शु ले ॥ ३ ॥

कमलवचनचरुनम्यसि सुविः वसुविचममसमृद्धिः जितकमलविमल। पुति
कमलजनकमलकमुखे ॥ ४ ॥ मृगमदलसयलितं ललितं कृष्णिलुतिलकमसि
कनकनिकनः विहितकलंकुलं कमलाननविभ्रमितमभाकले ॥ ५ ॥ मम
प्रचिल्लविकुनेकुलुमानंदः मानसज्वलज्वामल ॥ ६ ॥ सनसद्यनकुघनमम
तवनदालमवाननवालनकदयः मनिवसन्नावसन्नाहवन्मनिभूः जसयवासय
सुदने ॥ १ ॥ ॥ आजयदवयवनआजयदवः सदयद्विदयकुवमकुनः। हसि
वचमस्मरनामृतकृतकलषकनरखं शुभ ॥ ८ ॥ यूनीपीयूषं लसुपति ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ववयकवयाः पत्र चित्तं कुरुष्व कपालयाः द्यतयतु च नकाशमकुं प्रजाकवलिरु
च कलसयवलयः प्रभाषा ज्योतिषा दोकलु नृपनावितिः ग्रिदिन प्रीतपीताम्यनाः पिंग
थाकयान ॥ यज्ञा न्धर्षकलासुकी बलमनुध्यानं वयसि प्रवयसु ज्ञानविवक्तत्वं मयि
यत्कात्राश्रुतीसायिनं तत्सर्वं ज्ञयदवयवितु न कवेः कुरुष्व कतानात्मनसानद्याः पवित्रा
धयन् सुधियः श्रौगितं विन्दत ॥ ॥ नृनिश्रुतयदवकृत गीतं विन्दसा
नन्दं विन्दे नामदादससर्वं समार्कः चर्द गितं विन्दनामपुस्तकैः ॥ ७ ॥ लि
षिस्तु ज्ञयाप्रदानः सिद्धिर्ज्ञयः ज्ञानं दत्तः श्रद्धासिनवायाः सुधन् सुधदसमनता ॥
॥ ७ ॥

मादृष्टपुस्तकं दृष्ट्वा तादृशसिद्धिर्न भवति। यदि शूद्रो मण्डूको वा मम दोष
न विद्यते तत्र उच्यते यथा लातौ न विहिने। न पविना तथा सैन्यात् तथा
यि गुलान वव ॥ श्री ॥ जाउ विजय जा ॥ ७ ॥ डून प्रकता ल ॥ वर्ति मल २३
यस्मी जमदनस्य निश्चयः सुगति कूसुमनि कजे विजहि हृदय दल नाय
॥ १ ॥ तव विजहवन मालि सुखी मोदति ॥ ५ ॥ दहति जि जि जम यू र्वम
जघमन्क याति यतति मदत दिग्गिरिव विलयति विक्रजक याति ॥ १० ॥
धनति मध्य समुह अवतम पिद धनि मन सिवलित विजह निजि

मिश्रिप्रजमपयाति ॥ ३ ॥ वसति विपिनविगान् एतत्तिल्लित्वमम
 ल ० तिष्ठति विजयने वदु विलपति न वनाम ॥ ४ ॥ एतत्तिल्लित्वमम
 जयदव विप्रहि विलसितेन मनसि न एतद्विरावैरु विप्रदय
 तु सुकनेन ॥ ११ ॥ १० ॥ ॥ प्रथममिन पदम निक पद न भद्र समा
 नः श्री सु सु ठ ह सु वि ना अः वहू वे स दू म न ह नि धी म नू प मी न आ दी ठ
 निक पद स्य द्वा भा पि ला अ ॥ १ ॥ अ नू प्र व मू प नि ३ प्र गा म नू व व अ आ सु व
 ले ॥ ५ ॥ प्र गा व दू दि नू क म ग गा । डी ल ल ह नू प्र वः कू म ल द ले दी था ।

इव खा न्यः वदन सम स्रप विदूः कुदल कनन वीता लवः उगम वि कुन
महक समन आने ॥ २॥ पुगक हरे श्रव श्रव स्ताल ॥ ॥ मिदी निधल सुक
ल मरख वंगुल हो जसु ही ठक ले सकन हूमिक म ल हू धाले पाथि ही निक
स्व गश्र क संख वकु हो आनिध ले ल ह ले प द संखु भा वि सा ले ॥ ३॥ पुगठ
वाना हा श्रव श्रव स्ता ॥ विक ठ मूष स पिल व द द ठ द विः श्र ही निम ल न न ह
नि दान व क ल ना से । श्रध न धन मधु नि हू नः कन हि ठ मन स द व ल हा ल व न न ऊ
गह मल आ से ॥ पुगठ न ज सिंघ श्रव स्ता ले ॥ ४॥ ख व दू अ व द हि दू म सक ल व
ल व हि जान गही ल म्म न जान श्रव श्रव वा मन मन सा गन स मः के हू न्य वू मया

असंख्यः प्रागीव विपालः हलपादा ॥ जय ॥ अरुहि दुजवावन अस्ताल ॥ पुन
ष विजवतुल अज अस्त सिधीन वनिधि पसुजाम नामस्तु निधन्य समवधिलसह
सच अरुहि जमघे ले घेन कूसिरी सावका पिका विदे अजान्य ॥ अय ॥ पुगापसुनाम
अरुस्ताने ॥ ५ ॥ लघुकावस पदमदुसुठथुन दीहज गूनय खा लाजन मावि सिदापा
उलहाथः बानील गमेल कयन सगमि कटे दून तेजा अन गुनवन स्य सुमनि साथ ॥
पुगापनामव दुअरुस्ताले ॥ १ ॥ वनन रुज हृत्तिक समवल रुद्रु केह न्य अयः ह
लधलनूपहि वखान्य मदुकरुल मदन सम पुनन ठुठ सुल दीहावलूप्यः दान
कलहाललह दुनन अय ॥ अय ॥ पुगापहन धन नूप्य ॥ ६ ॥ धनमवूध हीद
मसुदे लधन नूपसु लीतक ले जान सनव दूत प्रकास्यः कौदम विगु मदरु

न न म न म नि ध्वा न नू पं म ह न ऊ ग वै ध हि त ग्रा स ॥ अ य ॥ वा पु बु ध न्न व न्न व स्ता
प ॥ ३ ॥ जा म ध्यो ल व य द्रा व स क ल स दू क म ना स तु ह न तु श्व न क ल की
ना मे दा वि म द ता वि वि क नि क न्द्र ठि हि को म न व न न वा ध स वि न्या स वा गु न ठा ज
का मे ॥ अ य ॥ १० पु गा म ह न क कि न्न व स्ता ॥ क ह ति अ य नि य ति म न म सि धा
अ गा प्र का स अ वि ना क र्त्तु द सि ख न पा वृ क वि क गु न न हि वु ष प्र स दु
ष गु वि हि ज्ञा न व न न नि ध वै ध नू प ग म वा ॥ अ य ॥ व न नि ह पि द स न्न अ स्ता ल्य
अ य द्र व मू पा दि ॥ ११ ॥ ॥ सू ल ॥ शी गा त र म वि न ६ ॥ ॥ तु नि शी ज
म द व कृ ता गा त र म वि न्दे सा न र र म वि द्वा द श ४ स र्ज ३ ॥ ॥ शी ना ज य

श्री ल मु ॐ ति श्री गिता ॥ गम विन्द स्त्रो धि ना रु प्र का व ने सू फि पि ना व
लो ना म ॥ वा द स ग्नी ॥ ॐ ति श्री ह वि व जन ॥ स्म द न य द्या प व ती व
म न क वि वा उ श्री ज य दे व य दित ॥ क वि ॥ क ॥ क ता ना म न ॥ सान ॥ दा प
॥ धा य ॥ ति सू ॥ धा श्री ॥ गम विन्द वि धा व का वृ मिन्द स मा फ न मो ना ज म नू

राग अस्तु ति ॥ रा म ना म क्ये मा राज वि रे ॥ पो ह वि धि वा ल उ तार ना ॥ ह र जि ॥ वि ना न
गत भग वा न भ ज न वि नु के से द र स पा उ ना ॥ ह र जि ॥ ॥ ॥ क ह य क वि र
सु नो भा ई सा धु ॥ ह लि के च र न चित रा व मो रे रा म जि ॥ ॥ रा ॥

आग आदिति॥ आ वजिन याय आदिति : कामं सं आदिन दय कल दितालया
हेल नसे हे सयाय : मायामो हो अहं काल फुत किया पया माल कोवि
मुजु जया जोति : आ वजिन याय आदिति : दयाल दि मिया पाति निपा
लया अधि पाति जय पल काम न दाल भगति भाव न वस चलन कम
लल सल मि कल नाथे लल आ वजिन याय आदिति॥ ४ = ॥ = ॥ श्री =

राग : आमाव दि॥ चो॥ जनम ए मला जति याय दु धर्म॥ ५॥ - न क न म ल्काल याय : सिव
पुरि गनेस : गनेस प्रमुष विजा क॥ बा मुद्रा दे व गन : पुजा याय रसन : पुलान जे जे व
थमन॥ १॥ जनम द तोलेन : भाल पेस फु न : याय म फु दि भगति भाव॥ जुग क

कलियालितिः पापसतुडु विज्जवः यायमफुद्धि भगति जाव ॥ जुगक लि चारि तिः
पापसतुडु विज्जवः यायमफुद्धि भगति भाव ॥ जुगक लि चारि तिः पापसतुडु
पिज्जवः यायमफुद्धि भगती भाव ॥ २ ॥ जनमवनेयतः जमपासं मचियकेः वनेय
तासव जर्मयुरि ॥ कुवुधिमामो होः पापसतुद्धि कमनः वेल धाजि जनम जुयाव ॥ ३ ॥ का
क क्क श्रयानि मिसेः दोऊ दको क्ष मायासे ॥ मनल थ पुलन जि याव ॥ श्री वालव पालः
रनवा हा डल सा हेः या हु ने पलर उ धाल ॥ ४ ॥ मनुपल

लागवसत॥ म्यामासुधलवसंतवेलसलाधावक्रेतलवज्वरः विशावरासवाजनथा
ज्वरः कथतलतालरेः रथाज्वरमिदंगदोलषदवविनिनगलादंतनतमलाधा
लाषंजरिः लाधावक्रेतलवज्वर॥ म्यामागु॥ गोपिजनपिनिजुलमेहलाव
वसचलचमालरेरुपयावउफंगकलनलनफेरियोशावागुदिः ला
धावक्रेतलवज्वरः म्यामागु॥ ग्रवेरिचुवाचवेरिहोलावः थिथिजनचो
ज्वरेरकिलावस्वयावहोलकावकानुजुलपखविज्पाकहाकक
याअनाथयानाथदिपारिसलाधावक्रेतलवज्वर॥ म्यामागु॥

गुरुपत्नीनात्रपत्नीमिरुपत्नीसुथेवव४पत्नीमातास्यमातावपक्रेते

ऊयप्रमस्य लिङ्गनर्दाताः रू थायानर्किः सि रू थायानर्किः ध्वला थायानर्किः मि वा थाया
नर्किः जा पा ग्या नाः पि थाया पि नाः पि ना र्था पि समुद्रः पि पा ऊ क द समुद्र या द थू
स ऊयल पा उ था दः दा ल छि उ आ ह ल द उ प ल ध्वानः थ प ल ध्वान या द थू सः स सि
का ल ध या गर्व रू द उः थू ग व रू ना स न न या उः थू ग प ल मू नि ना सु न या उः थू ग प्र का न
मः चू ल पा ल वि आ पि ध का उ न्न नै य् धा या द न य के धू नाः क ल स ना ला प्र स नि मा ष न
या उः का न ल स प्र जा था ल पा उः अ दि य्र पा मू र्था आ द उ ॥ थू ग ऊ ऊ ला म य नः वि सि
ध लः ऊ ऊ म धू निः न्या नः स प्ल सः गू ग् धूः ना सा कः स ग न लि धू म न्या पु ला उ न भ्र या

आलिङ्गलः रुयिया आलिङ्गलः थालया आलिङ्गलः हासर्वापांः र्वापापांः वसु धलाकृत
 धालविआलिङ्गलः दाउ जलाषया थथुका लाहानि नखा माल जापाः क्रथुका लहानि
 नति लाक न्नादन या दाउः षला षया थथुका लाहानि नय ललान जापाः क्रथुका ला
 हानि न बागुजि जा पाउः धाल विङ्गल आ पाद उत स पास जा पाउः थुलिस पासन क्रु
 द उ क्रु द या काः लुक्रु द उ लुक्रु वि का उः विक्रु द उ विक्रु द या का उः वा जा का य जा ह
 ल विङ्गल मालः ॐ नावा द्वा धला विरिक्तः मा हा वा द्वा धला उ व म म त म दि त स स